

प्रीलमिस फैक्ट्स : 21 जून, 2018

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

21 जून, 2018 को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। यह चौथा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है। 21 जून, 2015 को पहली बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया था। इस दिन दुनिया भर में विभिन्न योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

- पहले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन 21 जून, 2015 को दिल्ली के राजपथ पर किया गया था। दूसरे एवं तीसरे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों का आयोजन क्रमशः 2016 में चंडीगढ़ तथा 2017 में लखनऊ में किया गया था। चौथे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन देहरादून में किया जा रहा है।

21 जून ही क्यों?

- 21 जून को ग्रीष्म संक्रांति होती है, इसलिये इस तारीख को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में चुना गया है।
- ग्रीष्म संक्रांतिका दिन वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन सूर्य उत्तर से दक्षिण की ओर गति करना शुरू करता है।

पृष्ठभूमि

- 11 दिसंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र में 177 सदस्यों द्वारा 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी।
- प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रस्तुत इस प्रस्ताव को 90 दिनों के अंदर पूर्ण बहुमत से पारित किया गया, संयुक्त राष्ट्र संघ में किसी दिवस प्रस्ताव को मंजूर करने के संदर्भ में लिया गया यह सबसे कम समय है।

योग प्रोत्साहन और विकास में असाधारण योगदान के लिये 2018 का प्रधानमंत्री पुरस्कार

योग के प्रोत्साहन और विकास में असाधारण योगदान के लिये नासिक के श्री विश्वास मांडलिक और योग संस्थान, मुम्बई को वर्ष 2018 का प्रधानमंत्री पुरस्कार दिया जाएगा। पुरस्कार विजेता को एक ट्रॉफी, प्रमाण पत्र तथा नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। नकद पुरस्कार राशि 25 लाख रुपए होगी। 2017 के लिये यह पुरस्कार राममणि आर्यंगर स्मारक योग संस्थान, पुणे को दिया गया था।

- 21 जून, 2016 को चंडीगढ़ में आयोजित दूसरे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा योग के प्रोत्साहन और विकास के लिये पुरस्कार तय करने के लिये समिति गठित करने की घोषणा की गई थी।
- इस पुरस्कार के लिये देश-नरिदेश आयुष मंत्रालय द्वारा तैयार किये गए हैं। पुरस्कार तय करने में पारदर्शी प्रक्रिया अपनाते हुए समितियाँ - स्क्रीनिंग समिति (प्रारंभिक मूल्यांकन के लिये) तथा मूल्यांकन समिति (नरिणायक मंडल) बनाई गई हैं।

विश्वास मांडलिक

- श्री विश्वास मांडलिक ने प्रामाणिक पतंजलि और हठ योग का गूढ ज्ञान प्राप्त किया है। अध्ययन के ज़रिये भगवद्गीता और उपनिषद का ज्ञान प्राप्त किया और पछिले 55 वर्षों के प्राचीन हस्तलिपियों का अध्ययन किया है।
- श्री मांडलिक ने 1978 में योग विद्या धाम की पहली शाखा तथा 1983 में योग शिक्षा के लिये योग संस्थान - योग विद्या गुरुगुल की स्थापना की।
- 1994 में भारत के दूरदराज़ के इस्सों में योग को लोकप्रिय बनाने के लिये श्री मांडलिक ने योग चैतन्य सेवा प्रतिष्ठान, ट्रस्ट की स्थापना की।
- 1918 में स्थापित योग संस्थान, मुम्बई ने इस वर्ष अपने 100 वर्ष पूरे किये हैं। संस्थान द्वारा अभी तक करीब 5000 से अधिक योग शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है। इसके साथ-साथ योग से संबंधित 500 से अधिक प्रकाशन कार्य भी संपन्न किये गए हैं।

विश्व शरणार्थी दिवस

वशिव भर के शरणार्थियों की शक्ति, हमिमत और दृढ नशिचय एवं उनके प्रतिसम्मान को स्वीकृत दिने के लयि संयुक्त राष्ट्र 20 जून को वशिव शरणार्थी दविस के रूप में मनाता है ।

- वशिव शरणार्थी दविस 2018 का वषिय है: 'Now More Than Ever, We Need to Stand with Refugees'.
- प्रत्येक वर्ष 20 जून को वशिव शरणार्थी दविस के रूप में मनाया जाता है, इस दिन उन लोगों के साहस, शक्ति और संकल्प के प्रतिसम्मान वयकृत कयिा जाता है, जनिहें प्रताड़ना, संघर्ष और हसिा की चुनौतियों के कारण अपना देश छोड़कर बाहर भागने को मजबूर होना पड़ता है। वस्तुतः शरणार्थियों की दुरदशा और समस्याओं का समाधान करने के लयि ही इस दविस को मनाया जाता है ।

पृष्ठभूमि

- अफ्रीकी देशों की एकता को अभवियकृत करने के लयि 4 दसिंबर, 2000 को संयुक्त राष्ट्र परषिद द्वारा एक प्रस्ताव पारति कयिा गया था ।
- इस प्रस्ताव में 2001 को शरणार्थियों की स्थतिसे संबंधति 1951 की संधि की 50वीं वर्षगाँठ के रूप में चहिनति कयिा गया ।
- ऑरगनाइजेशन ऑफ अफ्रीकन यूनिटी (ओएयू) अंतरराष्ट्रीय शरणार्थी दविस को अफ्रीकी शरणार्थी दविस के साथ 20 जून को मनाने के लयि सहमत हो गया ।
- इंटरनेशनल रेस्क्यू कमिटी (International Rescue Committee) और एमनेस्टी इंटरनेशनल (Amnesty International) जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठन इस दिन नमिनलखिति गतिविधियों आयोजति करते हैं:
 - ◆ शरणार्थी स्थलों का नरीकषण ।
 - ◆ शरणार्थियों और उनकी समस्याओं से संबंधति फलिमों का प्रदर्शन ।
 - ◆ गरिफतार शरणार्थियों की मुक्ति के लयि वरीध प्रदर्शन ।
 - ◆ जेल में बंद शरणार्थियों के लयि समुचति चकितिसकीय सुवधिा और नैतिक समर्थन उपलब्ध कराने के लयि रैलियों का आयोजन ।

शलिॉन्ग (मेघालय) 100वीं स्मार्ट सटि

मेघालय की राजधानी शलिॉन्ग का चयन 100वीं स्मार्ट सटि के रूप में कयिा गया है । शलिॉन्ग द्वारा प्रस्तुत कयिे गए प्रस्ताव के आकलन के बाद ही इस शहर का चयन कयिा गया है । अब तक संबंधति प्रतिसिपर्द्धा के चार दौर में 99 स्मार्ट सटि का चयन कयिा गया था । इस घोषणा के साथ ही स्मार्ट सटि मशिन के तहत 100 स्मार्ट सटि के चयन की प्रकुरयिा पूरी हो गई है ।

- इससे पहले जनवरी 2016 में 20 शहरों, मई 2016 में 13 शहरों, सतिंबर 2016 में 27 शहरों, जून 2017 में 30 शहरों और जनवरी 2018 में 9 शहरों का चयन कयिा गया था ।
- शलिॉन्ग के चयन के साथ ही स्मार्ट सटि मशिन के तहत अंतमि रूप से चयनति 100 स्मार्ट सटि में कुल प्रस्तावति नविश 2,05,018 करोड़ रुपए के स्तर पर पहुँच गया है ।

स्मार्ट सटि

- स्मार्ट सटि की ऐसी कोई परिभाषा नहीं है जसिे सर्वत्र स्वीकार कयिा जाता है । अलग-अलग लोगों के लयि इसका आशय अलग-अलग होता है । अतः स्मार्ट सटि की संकल्पना, शहर-दर-शहर और देश-दर-देश भनिन होती है जो वकिस के स्तर, परिवर्तन और सुधार की इच्छा, शहर के नविसयियों के संसाधनों और उनकी आकांक्षाओं पर नरिभर करता है । ऐसे में स्मार्ट सटि का भारत में अलग अर्थ होगा, जैसे कयिरोप से । भारत में भी स्मार्ट सटि को परिभाषति करने का कोई एक तरीका है ।
- भारत के कसिी भी शहर के नविसी की कल्पना में स्मार्ट शहर की तस्वीर में ऐसी अवसंरचना एवं सेवाओं की अभीषट सूची होती है जो उसकी आकांक्षा के स्तर को वर्णति करती है । नागरकों की आकांक्षाओं और जरूरतों को पूरा करने के लयि शहरी योजनाकार का लक्ष्य आदर्श तौर पर पूरे शहरी पारस्थितिकी तंत्र का इस प्रकार वकिस करना होता है, जो व्यापक वकिस के चार स्तंभों-संस्थागत, भौतिक, सामाजकि और आर्थकि अवसंरचना में दखिाई देता है ।
- यह दीर्घावधकि लक्ष्य हो सकता है और शहर 'स्मार्टनेस' की परतें जोड़ते हुए संवर्द्धति रूप से ऐसी व्यापक अवसंरचना तैयार करने की दशिा में कार्य कर सकते हैं ।

स्मार्ट सटि चयन का आधार

- संकल्पना और वकिस के वभिनिन स्तर ।
- परिवर्तन और सुधार की इच्छा ।
- शहर के नविसयियों के संसाधन ।
- लोगों की आकांक्षाओं का स्तर ।

